श्री रवि शंकर प्रसाद:*

श्री सभापति: आपका रिकार्ड पर नहीं जा रहा है...(**व्यवधान**)...आप तो एडवोकेट हैं....(**व्यवधान**)...आप नियमों के हिसाब से मेरे पास आ जाइए कि कौन-से नियम के अनुसार बोलना चाहते हैं....(**व्यवधान**)...मैं अलाऊ करूंगा...(**व्यवधान**)...आप मध्य में हाउस में मामला उठाते हैं तो मैं कैसे अलाऊ करूंगा...(**व्यवधान**)...यह रिकॉर्ड पर नहीं जाएगा।...(**व्यवधान**)...

श्रीमती जया बच्चन:*

श्री सभापति: आपने कह दिया ...(**व्यवधान**)...आपको बता दिया ...(**व्यवधान**)...क्वेश्चन नं॰121

श्री रवि शंकर प्रसाद:*

श्री सभापति: मुझे आपसे यह उम्मीद नहीं है कि आप मेरी अनुमति के बिना बोलते रहें ...(**व्यवधान**)... मना करने पर भी बोलें ..(**व्यवधान**)... मुझे आपसे यह उम्मीद नहीं है ...(**व्यवधान**)... मुझे आपसे ऐसी कोई उम्मीद नहीं है....(**व्यवधान**)...विषय गंभीर है ..(**व्यवधान**)... गंभीर है तो जो मर्जी आए सो करिए ...(**व्यवधान**)...मैं भी बैठा हूं आप भी बैठे हैं ..(**व्यवधान**)... बिना इजाजत बोलना भी गंभीर मामला है ...(**व्यवधान**)... चेयर की अनुमति के बिना बोलना भी गंभीर मामला है ...(**व्यवधान**)... क्वेश्चन नं॰121.

नोएडा में नरकंकालों का मिलना

*121. **श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी:**
श्री मोती लाल वोरा:††

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या नोएडा से दिसम्बर, 2006 में बड़ी संख्या में नरकंकाल मिलने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है;

(ख) क्या सरकार इस घटना की जांच सी॰बी॰आई॰ से करा रही है;

(ग) अब तक कितने बच्चों के गायब होने के मामले प्रकाश में आये हैं और पुलिस द्वारा समय-समय पर कितने लोगों की एफ॰आई॰आर॰ दर्ज की गई है;

---

*Not recorded.

†† सभा में यह प्रश्न श्री मोती लाल वोरा द्वारा पूछा गया।

(घ) कितने लोग दोषी पाए गए हैं और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) गायब हुए बच्चों का संबंध किस राज्य से है; और

(च) पुलिस द्वारा पकड़े गए निर्दोष व्यक्तियों की संख्या कितनी है और सरकार द्वारा उन्हें रिहा करवाने के लिए क्या कार्रवाई की गई है?

गृह मंत्री (श्री शिवराज वि॰ पाटिल): (क) जी हां, श्रीमान।

(ख) केन्द्रीय जांच ब्यूरो ने नोएडा, उत्तर प्रदेश के निठारी गांव की घटना के संबंध में बच्चों के अपहरण, महिलाओं के व्यपहरण, बलात्कार, हत्या और उनके शवों के निपटान इत्यादि की घटनाओं से संबंधित 19 मामलों में जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

(ग) निठारी गांव की घटना में, केन्द्रीय जांच ब्यूरो की दिनांक 2.3.2007 की रिपोर्ट के अनुसार अभी तक 11 गुमशुदा बच्चों और 7 महिलाओं/लड़कियों के लापता होने के मामले प्रकाश में आए हैं।

(घ) 19 मामलों की प्रथम सूचना रिपोर्टों में दो व्यक्तियों अर्थात् मोहिन्दर सिंह पंधेर और सुरेंद्र सिंह कोली को नामित किया गया है और इन दोनों अभियुक्तों के संबंध में जांच पड़ताल चल रही है।

(ङ) 19 मामलों में उल्लिखित बच्चे/महिलाएं निठारी गांव, नोएडा, उत्तर प्रदेश के निवासी थे।

(च) इस मामले में किसी भी ऐसे निर्दोष व्यक्ति को पुलिस द्वारा गिरफ्तार नहीं किया गया है जिसकी रिहाई की जानी हो।

Recovery of human skeletons in Noida

†*121. SHRI SATYAVRAT CHATURVEDI:
SHRI MOTILAL VORA:††

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the shocking incident of recovery of a large number of human skeletons in December, 2006 from Noida had come to light;

(b) whether Government are conducting a CBI inquiry into the incident;

(c) the number of incidents of missing children that have come to

† Original notice of the question was received in Hindi

††The question was actually asked on the floor of the House by Shri Moti Lal Vora.

light so far and the number of FIRs registered by police from time to time;

(d) the details regarding the number of persons found guilty;

(e) to which States the missing children belonged; and

(f) the number of innocent persons apprehended by police and the action taken by Government to get them released?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SHIV RAJ V. PATIL): (a) Yes, Sir.

(b) CBI has taken up investigation of 19 cases relating to the incidents of kidnapping of children, abduction of women, rape, murder and disposal of their dead bodies etc. in connection with the incident in Nithari village of Noida, Uttar Pradesh.

(c) In the Nithari village incident, cases of 11 missing children and 7 women/girls have come to light so far as per the report of the CBI dated 2.3.2007.

(d) Two persons, namely Moninder Singh Pandher and Surinder Singh Koli have been named in the FIRs of the 19 cases and investigation with regard to both accused persons is in progress.

(e) Children/women involved in the 19 cases were residents of Nithari village, Noida, Uttar Pradesh.

(f) No innocent person is held by the police in this case to be released.

श्री मोती लाल वोरा: माननीय सभापति जी, उत्तर प्रदेश में कानून और व्यवस्था की स्थिति कितनी बिगड़ चुकी है, इसका ताजा उदाहरण नोएडा में निठारी में जो कांड हुआ है, उससे मालूम होता है ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : आप बोलने दीजिए, आप डिस्टर्ब क्यों कर रहे हैं ...(व्यवधान)...

श्री मोती लाल वोरा: उत्तर प्रदेश के जो हालात हैं, उनको देखने से ऐसा लगता है कि वहां कानून का राज नहीं है, जंगल का राज है और उस राज्य में जिस प्रकार का घटनाक्रम ...(व्यवधान)...

श्री खालिद सिद्दिकी: दिल्ली में है ...(व्यवधान)... पंजाब में है ...(व्यवधान)...

†شری شاہد صدیقی: دہلی میں ہے ۔(مداخلت)۔ پنجاب میں ہے ۔(مداخلت)۔

†Transliteration of Urdu Script

श्री सभापति: एक मिनट, एक मिनट ...(व्यवधान)... माननीय सदस्य, आप बैठिए तो सही ...(व्यवधान)... अमर सिंह जी, आप बैठिए ...(व्यवधान)... माननीय सदस्य, आप निठारी तक सीमित रखिए, केवल निठारी तक ...(व्यवधान)...

श्री मोती लाल वोरा: माननीय सभापति महोदय, उत्तर प्रदेश के नोएडा में निठारी गांव में जो घटनाएं हुई हैं, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि बच्चों के अपहरण की कितनी घटनाएं हुई हैं, महिलाओं के साथ बलात्कार की कितनी घटनाएं हुई हैं ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप मंत्री जी को बोलने दीजिए, फिर आप क्वेश्चन कीजिए ...(व्यवधान)...

श्री मोती लाल वोरा: मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि ...(व्यवधान)... मैं*... (व्यवधान)...* ...(व्यवधान)... * ...(व्यवधान)... मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश में महिलाओं के साथ अपहरण की कितनी घटनाएं हुई हैं ...(व्यवधान)... मैं निठारी से सम्बन्धित बातें कह रहा हूं ...(व्यवधान)... आप चुप रहिए, मैं आपसे बात नहीं कर रहा हूं। मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश के निठारी गांव की घटनाओं के सम्बन्ध में बच्चों के अपहरण की कितनी घटनाएं हुई, महिलाओं के साथ बलात्कार की कितनी घटनाएं हुई और कितनी हत्याएं हुई? ...(व्यवधान)...मैं माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं ...(व्यवधान)... यह निठारी से सम्बन्धित है...(व्यवधान)... उत्तर प्रदेश की हालत इतनी बिगड़ चुकी है ...(व्यवधान)...

श्री राम नारायण साहू: सभापति महोदय ...(व्यवधान)... लखनऊ में अगर एक जानवर एक ट्रक से कुचल कर मर जाता है ...(व्यवधान)... तो अखबारों में, न्यूज़ में आ जाता है और दिल्ली में एक रात में 11 कत्ल हो जाते हैं और कोई न्यूज़ नहीं आती।

श्री सभापति: ठीक हैं इनका जवाब सुन लीजिए।

श्री शिवराज वि॰ पाटिल: श्रीमन् असल में पूछा जाए, तो यह सवाल प्रान्त की सरकार की कक्षा में आता है, मगर निठारी में जो यह केस हुआ है, उसे सीबीआई को दिया गया और वहां की सरकार के कहने पर दिया गया। इसके बाद यह सवाल यहां पर admit हुआ है और उसका उत्तर देने का हमारा दायित्व बन रहा है, अन्यथा वह प्रान्त की सरकार की कक्षा में आता था। बाकी जो प्रश्न पूछे गए हैं कि वहां पर कितने बच्चों का अपहरण हुआ है, कितने लोगों की हत्याएं हुई हैं और कितनी महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ है, इसकी मालूमात प्रान्त की सरकार के पास होती है। अगर माननीय सदस्य चाहते हैं, तो वहां से वे मालूमात लेकर मैं उनको पहुंचाऊंगा। मगर इसके साथ-साथ एक दूसरा सवाल है 131 का, वह सवाल बच्चों के अपहरण के सम्बन्ध में है, उसके जवाब में... (व्यवधान)...

*Expunged as ordered by the Chair.

श्री सभापति: आप 131 का सवाल अभी क्यों ले रहे हैं।

श्री शिवराज वि॰ पाटिल: 131 का सवाल है, उसके अन्दर मैंने एक चार्ट दिया है, उस चार्ट के अन्दर बच्चों के अपहरण के सम्बन्ध में जो मालूमात हैं, वे दिए गए हैं।

श्री मोती लाल वोरा: माननीय सभापति महोदय ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप लिख कर भेज दीजिए मैं सारी दुनिया से ले लूंगा।

श्री मोती लाल वोरा: यह मामला असल में उत्तर प्रदेश का मामला है ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप अपने क्वैश्चन तक सीमित रखें ...(**व्यवधान**)... इसमें महिलाओं के बलात्कार के बारे में है ही नहीं ...(**व्यवधान**)...

श्री मोती लाल वोरा: इसमें लिखा है। मंत्री जी ने जो जवाब दिया है कि बच्चों के अपहरण, महिलाओं के अपहरण, बलात्कार और हत्या और उनके शवों के निपटान इत्यादि की घटनाओं से सम्बन्धित 19 मामलों में जांच पड़ताल शुरू कर दी है ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: जांच करली होगी, लेकिन आप का क्वैश्चन तो नहीं है।

श्री मोती लाल वोरा: महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जो 11 गुमशुदा बच्चे हैं, उसमें कुछ महिलाएं भी शामिल हैं? महोदय, इस घटना को हुए कम-से-कम 3-4 महीने हो गए हैं, क्या माननीय मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि इन 11 गुमशुदा बच्चे और कुछ महिलाओं का कहीं अता-पता लगा है?

श्री सभापति: महिलाओं का अता-पता लगा है तो बताइए।

श्रीमती वृंदा कारत: महोदय, मैं इस बात पर बिल्कुल आपत्ति करती हूं। ...(**व्यवधान**)... Sir, this is no laughing matter. ...(*Interruptions*)... पर, यह हंसने वाली बात नहीं है।

सभापति: मैं जवाब दिला रहा हूं। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती वृंदा कारत: जब भी यह सवाल उठता है ...(**व्यवधान**)... क्यों यह हंसने वाली बात है? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: उठाएंगे। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती वृंदा कारत: सर, यह क्या तरीका है? ...(**व्यवधान**)

I am sorry, sir. ....(*Interruptions*).... I do not think this is correct. ....(*Interruptions*).... I am sorry.

श्री शिवराज वि॰ पाटिल: श्रीमन्, निठारी में हुई घटना के संबंध में पहले तो रिपोर्ट दी गयी, जो बच्चे वहां से गायब हो गए और वापस नहीं आए, उसके संबंध में थी। मगर बाद में उस के अंदर जो प्रश्न आए हैं, उन प्रश्नों से यह भी सवाल निकला है कि क्या यह जो अपहरण हुआ है और जो बच्चे नहीं हैं, उन्हीं के शरीर के वे अंग हैं जो वहां पर मिले हैं और किस लिए उनके साथ उस प्रकार से बर्ताव किया गया। यह देखने की उस में कोशिश की गयी कि क्या वह Cannibalism था, sexual offence था या किसी और चीज के लिए वह किया गया या organs वगैरह शरीर से निकालने के लिए वह किया गया। इन सारी चीजों पर वहां investigation चल रही है, उसकी तपास चल रही है और जब उस के मालूमात आ जाएंगे तो वह पूरे मालूमात रखेंगे। महोदय, जो उन के शरीर के अंग मिले हैं, घर के पीछे बाजू के गटर में से जो शरीर के अंग मिले हैं, उसे लेकर उनके संबंधित लोगों का खून लेकर लेबोरेटरी में भेजा गया है। उस का डी॰एन॰ए॰ टेस्ट होने के बाद, डी॰एन॰ए॰ प्रिंट आने के बाद पता चलेगा कि क्या ये वही बच्चे हैं जो गायब हो गए हैं या दूसरे बच्चे हैं। मगर investigation में यह पता चल रहा है और एक accused ने भी उस में कबूली जवाद दे दिया है। वह कहता है कि ये उन्हीं के शरीर के अंग होंगे। मगर उस के संबंध में साइंटिफिक एक्सप्लेनेशन आना है। वह मैटर हैदराबाद की जैनेटिक इंजीनियरिंग टैक्नॉलोजी इंस्टीट्यूट में भेजकर और उसकी मालूमात वह ले रहे हैं कि ये बच्चे वहीं हैं जो मिसिंग हैं या दूसरे हैं। उसका पूरा पता डी॰एन॰ए॰ टेस्ट रिपोर्ट आने के बाद पक्के रूप से बताया जा सकता है।

SHRI SHANTARAM LAXMAN NAIK: Mr. Chairman, Sir, there is a provision in the Indian Penal Code that if somebody causes death by rash and negligent act, then it becomes an offence. In this connection, I would like to know whether the CBI proposes to take the statement of the Chief Minister of Uttar Pradesh because of whose rash and negligent act all these murders have taken place.

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Well, Sir, the law will take its own course and we are not intending to direct any investigating agency to do it or not to do it. ....(*Interruptions*)....

SHRI AMAR SINGH: What are you talking? ....(*Interruptions*).... in Delhi, will Smt. Sheila Dikshit be responsible? ....(*Interruptions*).... What are you talking? ....(*Interruptions*).... Don't you want the House to be continued? ....(*Interruptions*)....

श्री सभापति: अमर सिंह जी आप क्वेश्चन कर लीजिए। ....(व्यवधान).... कुछ भी रिकॉर्ड पर नहीं जाएगा।

श्री शाहिद सिद्दिकी*

श्री सभापति: किसके लिए माफी मांगे? कोई रिकॉर्ड पर नहीं जा रहा। ....(व्यवधान)....

श्री अमर सिंह:*

श्री सभापति: मैं रिकार्ड देखकर कह सकता हूं। ....(व्यवधान).... क्या कहा, मैंने सुना नहीं। रिकॉर्ड देखकर कह सकता हूं। ....(व्यवधान)....

श्री अमर सिंह:* ....(व्यवधान)....

श्री सभापति: अमर सिंह जी, आप मेरी बात सुन लीजिए। ....(व्यवधान)....

श्री मोती लाल वोरा:* ....(व्यवधान)....

श्री सभापति: मैं उनकी बात नहीं सुन रहा।....(व्यवधान).... मैं इनकी बात नहीं सुन रहा। क्या कहा है, मैं देख लूंगा और देखने के बाद अगर अनपार्लियामेंटरी होगा, तो मैं एक्सपंज कर दूंगा। ...(व्यवधान).... आप बैठ जाइए। ....(व्यवधान).... मैंने कहा कि प्रोसीडिंग देखकर कह सकता हूं।....(व्यवधान).... बैठ जाइए। ....(व्यवधान).... कोई रिकॉर्ड पर नहीं जा रहा है।

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI PRIYARANJAN DASMUNSI): Sir, what has been stated by the distinguished hon. Member in response to the question, if any part of that is a direct accusation, or dishonour to any State Chief Minister including Shri Mulayam Singh Yadav, you are in your competence to examine it. ....(*Interruptions*)....

श्री सभापति: मैंने कहा दिया है, मैंने कुछ सुना नहीं है। ....(व्यवधान)....

SHRI PRIYARANJAN DASMUNSI: If you find anything, then you take appropriate action. It is not required to levy counter charges on Prime Minister. ....(*Interruptions*)....

श्री अमर सिंह:*

---

*Not recorded.

श्री सभापति: कोई रिकॉर्ड पर नहीं जा रहा है।....(व्यवधान)... अमर सिंह जी, यह ठीक नहीं है। मैंने आपको कह दिया है कि रिकॉर्ड देखूंगा, रिकॉर्ड में जो इस तरह की बातें, जो आपत्तिजनक होंगी, मैं एक्सपंज कर दूंगा।

श्री अमर सिंह: ठीक है, सर।

SHRIMATI SUPRIYA SULE: Sir, through you, I would like to know from the hon. Home Minister whether he is thinking in terms of having a Central legislation in this regard. I am looking at this child's issue much more seriously than it is getting discussed here, because even I have young children. Sir, it is an extremely alarming situation in our country, and the atrocities against our children is a very serious topic of discussion. I would urge all hon. Members to seriously think and wait for a minute and discuss this issue at length. It doesn't really matter in which State this incident occurred. I understand that this question has been put to the Central Government though the law and order subject is with the State Government. But these are very serious issues. Sir, I would like to ask the hon. Home Minister whether the Government is looking at forming a Central legislation in this regard, especially, when it comes to the protection of our children, because rather than it being a slanging match, I would understand as a parent what hassles a parent goes through when one has to take the trouble of contacting the Police and to find one's own children. It is very difficult. So, are you trying to make a special police force or some kind of a place which will be available for all these people to approach and make it accessible to the concerned person. There is need to have a friendly atmosphere for this. I urge all of you to please let us have a serious discussion on it because, Sir, it is a very serious subject. Thank you, Sir.

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Sir, I appreciate the concern of the hon. Member. The Government of India is applying its mind to this problem. A Committee was constituted to look into this special issue as well as the issues relating to the children in our country. The Women and Child Development Ministry is also looking into it. The Home Ministry will also look into it, and the Law Ministry will also be consulted. If it is necessary to amend the Indian Penal Code, we will do that. If it is necessary to see that some amendments are introduced in other laws which are meant for giving protection to women and children, we will do

that. If any new legislation is required, it will also be looked into. But a Committee has been constituted to look into this matter, and after we receive the report of the Committee, we will discuss it with the hon. Members of both the Houses and take appropriate action. ....(*Interruptions*)....

श्रीमती वृंदा कारत: सर, सबसे पहले तो मैं इस बात पर खेद प्रकट करना चाहती हूं कि इस हाऊस में इतने गंभीर सवाल पर हम लोग दलगत राजनीति से ऊपर नहीं उठ पा रहे हैं और जब तक हम दलगत राजनीति से ऊपर नहीं उठेंगे, तब तक यह जो एक बहुत जबर्दस्त राष्ट्रीय मसला है, हर प्रदेश में मिसिंग चिल्ड्रन्स का यह हल नहीं होगा। 'निठारी' का मामला तो एक प्रदेश के साथ जुड़ गया है, लेकिन यह एक प्रदेश का सवाल नहीं है, यह पूरे राष्ट्र में जो मिसिंग चिल्ड्रन का मुद्दा है, उससे जुड़ा हुआ सवाल है और मिसिंग चिल्ड्रन का मुद्दा एक माफिया के साथ जुड़ा हुआ है, यह बात ट्रेफिकिंग के साथ जुड़ी हुई है। इस बारे में हमारा कोई कानून नहीं है।

सर, 'निठारी' कांड के बाद मैं वहां गई थी और उसके बाद हम लोग गृह मंत्री जी से मिले थे। एक बात बिल्कुल स्पष्ट है कि पापुलेशन के जो सबसे vulnerable sections हैं, वे migrant workers और उनके बच्चे हैं, क्योंकि न तो स्टेट की पुलिस फोर्स उनकी किसी शिकायत पर कोई ध्यान देती है और न ही उसकी कोई मॉनिटरिंग होती है। तो मैंने गृह मंत्री जी से एक रिक्वेस्ट की थी कि मिसिंग चिल्ड्रन्स के बारे में और ट्रेफिकिंग से जुड़े हुए माफिया के बारे में तमाम स्टेट्स के होम मिनिस्टर्स की तुरंत एक मीटिंग की जाए, एक मॉनिटरिंग मैकेनिज्म बनाया जाए और हर महीने सैंटर को उसकी रिपोर्ट दी जाए। केसिस की बाकायदा मॉनिटरिंग हो कि कितने केसिस कब सॉल्व हुए हैं। हमारे पास ऐसे केसिस आए हैं कि तीन साल तक, चार साल तक बच्चियां नहीं मिलती हैं और उसके बाद वे किसी brothel में मिलती हैं।

श्री जयन्ती लाल बरोट: आप अपना क्वैश्चन पूछिए।

श्रीमती वृंदा कारत: आप अगर उस चेयर पर होते तो मैं आपकी बात पर कोई तवज्जो देती।

इसलिए, सर, यह जो हमारी एक रिक्वेस्ट है कि तमाम स्टेट होम मिनिस्टर्स की एक मीटिंग बुलाकर केवल मिसिंग चिल्ड्रन और ट्रेफिकिंग इन चिल्ड्रन्स के बारे में डिस्कस करके एक ऐसा मैकेनिज्म तैयार किया जाए, जिससे कि इस बारे में लगातार मॉनिटरिंग हो। और इससे जुड़ी हुई दूसरी बात है, हर प्रदेश को मालूम है कि जहां पर भी अधिक संख्या में हमारे माइग्रेंट वर्कर्स हैं, वहां पर पुलिस स्टेशन्स की विशेष मॉनिटरिंग की जरूरत है, क्योंकि जहां पर माइग्रेंट औरतें काम करती हैं, उनके बच्चों की कतई कोई भी सुरक्षा नहीं होती है, इसलिए उनके लिए यह विशेष बात है।

श्री सभापति: आप कुछ कहना चाहते हैं तो कहिए।

श्री शिवराज वि॰ पाटिल: श्रीमन्, यह मुद्दा बहुत अच्छे ढंग से सदन के सामने आया है और इसकी गंभीरता को ध्यान में रखते हुए, आज तक हम क्या कर रहे हैं, यह देखना पड़ेगा और फिर इसके बाद हमें क्या करना चाहिए, यह भी देखना पड़ेगा। उस पर जो भी कदम उठाने जरूरी हैं, वह हमें अवश्य करना होगा। मैं यह बताना चाहता हूं ....(व्यवधान)...

श्रीमती वृंदा कारत: यह क्या जवाब है?

श्री शिवराज वि॰ पाटिल: पहले मुझे ....(व्यवधान).... Let me complete first आज की जो स्थिति है, वह यह है कि जब किसी पुलिस स्टेशन में मिसिंग चिल्ड्रन या गायब हुए व्यक्ति के संबंध में अर्जी आती है, तो नॉन-कॉग्निजिबल होने की वजह से उसे उतनी तवज्जोह नहीं दी जाती है। इसी कारण इसके लिए जो कमेटी गठित की गई थी, उस कमेटी ने कहा है कि उसे कॉग्निजेबल बनाया जाए, कॉग्निजेबल बनाने पर उसका क्या असर होता है, यह भी देखने की हमें जरूरत है। आज की जो पद्धति है, वह ऐसी है कि पुलिस थाने से उसकी जानकारी डिस्ट्रिक्ट पुलिस ऑफिसर को दी जाती है, उसके बाद डीजी को जानकारी दी जाती है, डीजी को जानकारी देने के पश्चात् केन्द्र के पास, बीपीआरएंडडी के पास वह जानकारी जाती है और बीपीआरएंडडी के पास से फिर वह जानकारी हर स्टेट में जाती है। यह आज का ...(व्यवधान)

श्री विक्रम वर्मा: एग्जिस्टिंग प्रोसीजर्स सबको मालूम हैं, आप क्या करने जा रहे हैं ...(व्यवधान) Everybody knows about the existing procedures, आप क्या करने जा रहे हैं, आप यह बताइए ...(व्यवधान)

श्री शिवराज वि॰ पाटिल: आपको बिल्कुल मालूम नहीं है ...(व्यवधान) आपको बिल्कुल मालूम नहीं है ...(व्यवधान) आप उत्तर सुनिएगा ...(व्यवधान) आप उत्तर सुनिए...(व्यवधान)

श्री सभापति: आप उन्हें बोलने दीजिए ...(व्यवधान) मालूम है या नहीं मालूम, उन्हें बोलने दीजिए।

श्री विक्रम वर्मा: नहीं, सर, ये क्या बता रहे हैं?

श्री सभापति: आप बोलिए, बोलिए।

श्री शिवराज वि॰ पाटिल: इसमें आपको क्या तकलीफ हो रही है ...(व्यवधान) कभी भी उठकर आप कुछ भी बोल लेते हैं ...(व्यवधान) मैं यह बताने जा रहा हूं कि यह अहम सवाल है, यह आज की पद्धति है। हमारे पास जो रिपोर्ट कमेटी ने दी है, वह यह कहती है कि इसमें सुधार लाने की आवश्यकता है और गवर्नमेंट ऑफ इंडिया का भी यह कहना है कि इसमें सुधार लाने की आवश्यकता है। आपने कहा कि स्टेट के चीफ मिनिस्टर के साथ बात करनी चाहिए, हम स्टेट के चीफ मिनिस्टर,

होम मिनिस्टर या दूसरे अधिकारियों से पहले ही बात कर चुके हैं। इसके बारे में मैं चीफ मिनिस्टर के साथ बात हुई है, न सिर्फ दिल्ली में बात हुई है बल्कि जहां पर हमारी ज़ोनल मीटिंग्स होती हैं, वहां पर भी बात हुई है। लिखित रूप में भी हमने उन्हें बताया है कि आपको इस मुद्दे पर ध्यान देना पड़ेगा। फिर हम वहीं पर ही ठहर नहीं गए है। बल्कि हमने उन्हें बताया है कि हम यहां पर संबंधित कानून का ड्राफ्ट बना कर आपके पास भेजेंगे, उस पर आप अपनी राय भेज दीजिए। साथ ही आप उस पर क्या करना चाहते हैं, वह भी हमें लिख कर भेज दीजिए। अब जो ...(व्यवधान)

श्रीमती वृंदा कारत: सर, मैंने तो बच्चों की बात पूछी है, ये तो अन्य व्यक्तियों और एडल्ट्स की बात बता रहे है। मैंने तो बच्चे और बच्चियों के बारे में पूछा है...(व्यवधान)

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Let met complete first. यह जो रिपोर्ट, है, यह बच्चियों और बच्चों ...(व्यवधान) This is in the report submitted by the Women and Child Department.

SHRIMATI BRINDA KARAT: Sir, you have to have a separate monitoring mechanism, Sir. You cannot do it like this...*(interruptions)*..

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: This is in the report submitted by the Women and Child Department.

SHRIMATI BRINDA KARAT: Sir, You have to have a separate mechanism; that is what I am saying.

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Sir, I am willing to discuss any serious issue,but if anybody is wanting to create an impact simply by obstructing the statement being made by the Minister, I have nothing to say.

श्रीमती वृंदा कारत: सर, यह क्या बात कर रहे हैं?

SHRI SITARAM YECHURY: Mr. Chairman, Sir, I would like to submit that this is a very serious issue before the country, and everybody is very concerned and very deeply affected by it. I would request that we have a separate discussion on this issue in the House ...*(interruptions)*...

Let us have a separate discussion. ...*(interruptions)*...

SHRIMATI BRINDA KARAT: Sir, he has not answered my question. I have asked a specific question.

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Please, apply your mind to my reply and don't apply it to your question alone. Please, sit down and I shall give you the reply. My reply is, this involves women and children also.

श्री सभापति: अब आप बोलिए ...(व्यवधान)...

SHRIMATI BRINDA KARAT: What is this answer? We want a monitoring mechanism...(*interruptions*)...

श्री अमर सिंह: ...(व्यवधान)... एक माननीय सदस्या को यह कहना कि ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: माननीय सदस्यों का नहीं है ...(व्यवधान)... माननीय सदस्या ने अच्छा प्रश्न उठाया ...(व्यवधान)...

SHRI AMAR SINGH: The Home Minister should not say, "you should apply your mind." ..(*interruptions*)..

श्री सभापति: आप तो बैठिए ...(व्यवधान)... जरुरत नहीं है आपके बोलने की ...(व्यवधान)... आप बैठिए ...(व्यवधान)... आप बोलिए ...(व्यवधान)...

श्री अमर सिंह: वृंदा कारत जी को यह कहना कि ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप बैठिए ...(व्यवधान)...हर मामले में आप ...(व्यवधान)...

श्री अमर सिंह: मंत्री जी को ऐसा नहीं कहना चाहिए, सर। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: मंत्री को कहना चाहिए या ...(व्यवधान)...

श्री दिग्विजय सिंह: आप हमारे सवालों के जवाब दीजिए। ...(व्यवधान)...टी०वी० पर देखे... (व्यवधान)...

SHRI AMAR SINGH: Does he mean that she does not apply mind? ..(*Interruptions*)..Only his mind is functioning ..(*interruptions*)..

श्री दिग्विजय सिंह : यह गृह मंत्री हैं या ग्रामीण मंत्री ...(व्यवधान)...

श्री अमर सिंह : इनके दिमाग की वजह से यह सरकार चल रही है।...(व्यवधान)...नहीं तो यह सरकार चली जाएगी ...(व्यवधान)...

श्री दिग्विजय सिंह : यह हम लोगों के सवालों के जवाब दें ...(व्यवधान)... जैसे यहां खड़े हो जाते हैं ...(व्यवधान)... वहां भी खड़े हो जाते हैं वैसे ही।...(व्यवधान)...यह हम लोगों को क्या समझ रहे हैं ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: उनको पूछने दीजिए.....(व्यवधान)...

श्री दिग्विजय सिंह: यह हम लोगों को जवाब दें ...(व्यवधान)... हमने जितने सवाल पूछे, क्या

उनके जवाब दिए इन्होंने? ...(व्यवधान)...दिल्ली में बैठे रहेंगे ...(व्यवधान)...इसीलिए यह गृह मंत्री बने हैं ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: ठीक है, वह क्वेश्चन हो गया।

श्री रविशंकर प्रसाद: माननीय गृह मंत्री जी, मेरा सवाल यह है कि निठारी की घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। हम लोगों के लिए यह चिन्ता की बात है। यह घटना दिल्ली के बगल में होती है, इसलिए पूरी दुनिया में इसका खराबीपन जाता है। मेरा आपसे सवाल यह है कि यह दो वर्षों से चल रहा था और यह बात बार-बार सामने आई है कि अगर पुलिस सक्रिय होती, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना नहीं होती। लेकिन, इसके साथ-साथ मेरा आपसे एक सवाल और है। आपकी केन्द्रीय गुप्तचर खुफिया शाखाएं भी हैं। दिल्ली के पड़ोस में यह हो रहा है, NCR में हो रहा है। क्या ऐसी जानकारी आपकी खुफिया एजेंसी को थी और क्या आपकी खुफिया एजेंसी ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बारे में प्रदेश सरकार को अवगत भी कराया था? मेरा यह सवाल है।

श्री शिवराज वि॰ पाटिल: सर, स्टेट की जो खुफिया एजेंसी है, वह इस प्रकार के मामले को देखती है और सेंट्रल गवर्नमेंट के पास जो खुफिया एजेंसी है, वह डिफेंस के बारे में ...(व्यवधान)...

श्री रवि शंकर प्रसाद: प्रदेश सरकार में कुछ गड़बड़ थी, तो आपकी एजेंसी क्या कर रही थी ...(व्यवधान)...

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया: बात वह नहीं है ...(व्यवधान)... बच्चे गायब हो रहे हैं और उस पर ...(व्यवधान)...हर चीज का ...(व्यवधान)...

श्री शिवराज वि॰ पाटिल: श्रीमन् यहां की सरकार constitution के मुताबिक चलती है और यह जो constitution है, उसको यहां पर मुझे समझाने की कोशिश करना जरूरी नहीं है। हमारे पास ...(व्यवधान)... हमारे पास ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप उनको बोलने तो दीजिए ...(व्यवधान)...

श्री शिवराज वि॰ पाटिल: श्रीमन्, अगर सिर्फ सवाल पूछना है, जवाब सुनना नहीं है, तो और बात है ...(व्यवधान)...

श्रीमती वृंदा कारत: सर, आपका जवाब ही ऐसा है, जो सुना नहीं जा सकता ...(व्यवधान).. सर, आपका जवाब ही ऐसा है ...(व्यवधान)...

श्री शिवराज वि॰ पाटिल: अगर आपको रोक कर यह इम्पैक्ट क्रिएट करने की कोशिश है, तो ...I can't help you ...(व्यवधान)...

श्रीमती वृंदा कारत: आपकी सरकार और आपके गृह मंत्रालय की कोई इम्पैक्ट है ही नहीं। यहां missing children का सवाल है।...(**व्यवधान**)...हकीकत तो यह है ...(**व्यवधान**)... आपकी कोई इम्पैक्ट है ही नहीं, ...(**व्यवधान**)...

श्री शिवराज वि॰ पाटिल: आपको मालूम होना चाहिए कि ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: माननीय सदस्य, एक मिनट बैठिए ...(**व्यवधान**)... एक बार बैठिए ...(**व्यवधान**).. Please take your seat. ...(**व्यवधान**)... बैठिए, ...(**व्यवधान**)...

माननीय सदस्य, यह एक गम्भीर विषय है, इसमें कोई संदेह नहीं है। ...(**व्यवधान**)...एक मिनट ...(**व्यवधान**)... यह एक गम्भीर विषय है, इसमें किसी प्रकार का संदेह नहीं है। इस गम्भीर विषय पर इस हाउस में चर्चा रखने के संबंध में मेरे पास नोटिसेज़ आए हैं। वे मेरे पास आलरेडी हैं। उन नोटिसेज़ के आधार पर हम समय निश्चित कर लेंगे और सारे मामले पर उस समय चर्चा कर लेंगे ...(**व्यवधान**)...

श्री रवि शंकर प्रसाद: सर, मैंने जो सवाल किया, उसका तो जवाब दे दें। ...(**व्यवधान**)...

श्री यशवंत सिन्हा: सर, ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: अब छोड़िए। ...(**व्यवधान**)...

श्री यशवंत सिन्हा: नहीं, इन्होंने किसका जवाब दिया? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: 122 ...(**व्यवधान**)...

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: Sir, you permit a debate on this ..(*interruptions*)..

श्री शाहिद सिद्दिकी: सर, जया जी को भी एक सवाल पूछने दीजिए ...(**व्यवधान**)...सर, एक समाजवादी वाले को भी एक सवाल पूछने दीजिए ...(**व्यवधान**)...हमें चुप कर रखा है कब से ..(**व्यवधान**)...

شری شاہد صدیقی: سر، جیہ جی کو بھی ایک سوال پوچھنے دیجئے -(مداخلت)- سر، ایک سماجوادی والے کو بھی ایک سوال پوچھنے دیجئے -(مداخلت)- ہمیں ۵% چپ کر رکھا ہے کب سے -(مداخلت)-

श्री रविशंकर प्रसाद: सभापति महोदय, मेरे सवाल का जवाब तो हो जाए। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: अब हो गया। जवाब उस समय ले लेना। ...(**व्यवधान**)...

श्री शाहिद सिद्दिकी: सर, समाजवादी वालों को भी मौका दीजिए।...(**व्यवधान**)...

شری شاہد صدیقی : سر، سماجوادی والوں کو بھی موقع دیجئے --(مداخلت)--

श्री यशवंत सिन्हा: क्या अब यह स्टेट के ऊपर डिपेंड करेंगे कि स्टेट से खबर आएगी, तब वे हमको जानकारी देंगे? ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: अब छोड़िए। उस समय विचार कर लेंगे, इन सब बातों पर ...(व्यवधान)...123 ...(व्यवधान)... बैठ जाइए...(व्यवधान)...कृपा करके बैठ जाइए ...(व्यवधान)... अब यह सब नहीं ...(व्यवधान)...123.

*122[*The questioner (Shri Brij Bhushan Tiwari] was absent for answer* vide *page* 29]

Notification on Fixed Term Employment Workmen

*123. SHRI TAPAN KUMAR SEN: Will the Minister of LABOUR AND EMPLOYMENT be pleased to refer to answer to Starred Question 318 given in the Rajya Sabha on the 13th December 2006 and state:

(a) wheter any decision has since been taken by Government to rescind the notification dated 10th December, 2003 regarding Fixed Term Employment Workmen; and

(b) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT (SHRI OSCAR FERNANDES): (a) and (b) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

Notification on Fixed Term Employment Workmen

(a) and (b) The Government had amended the Industrial Employment (Standing Orders) Central Rules, 1946, to include "Fixed Term Employment Workman" in the Schedule of the Industrial Employment (Standign Orders) Act, 1946, and Model Standing Orders annexed to the Industrial Employment (Standing Orders) Central Rules, 1946, *vide* Notification GSR No. 936(E) dated 10.12.2003. In July 2004, the above mentioned amendment was reviewed and a drawft intention notification dated 30.09.2004 was issued with a veiw to rescinding the notification dated 10.12.2003 inviting objections/suggestions from all persons likely to be affected.

The matter is still under consideration.